6 अप्रैल 2026
सोमवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

अदफा में 520 बेड वाले ओबीसी कन्या आवासीय विद्यालय का उद्घाटन, बेटियों की शिक्षा को मिला नया आधार

2

एक नजर

सरमा देश के सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री : राहुल

गुवाहाटी । लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने असम के कामरूप में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखे हमले किए। राहुल गांधी ने असम की जनता के लिए न्याय और विकास का नया रोडमैप पेश करते हुए कई बड़ी घोषणाएं भी कीं। राहुल गांधी ने कहा कि असम के मुख्यमंत्री देश के सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री हैं। उनके मुंह से 24 घंटे नफरत और हिंसा की भाषा निकलती है। राहुल ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने अब अपने परिवार को भी भ्रष्टाचार में शामिल कर लिया है। उन्होंने दावा किया कि कानून एक दिन उन्हें जरूर पकड़ेगा और वे जेल जाएंगे। पने संबोधन के दौरान राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर भी जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा, नरेंद्र मोदी और अमित शाह असम के मुख्यमंत्री को कंट्रोल करते हैं। प्रधानमंत्री पर हमला करते हुए राहुल ने कहा कि अडानी भाजपा का आर्थिक ढांचा हैं। उन्होंने इस कंपनी को मोदानी नाम दिया और कहा कि यह मोदी और अडानी दोनों की है।राहुल गांधी ने असम में कांग्रेस की सरकार बनने पर कई गारंटियां दीं।

न्यायिक ढांचा मजबूत करना विकल्प नहीं बल्कि जरूरत है : सीजेआई सूर्यकांत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने रविवार को हैदराबाद में तेलंगाना हाई कोर्ट के जोन-2 की आधारशिला रखी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि देश की सभी सरकारें अब यह मानती हैं कि न्यायिक ढांचे को मजबूत करना कोई विकल्प नहीं, बल्कि बहुत जरूरी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब न्यायपालिका और कार्यपालिका एक ही उद्देश्य के साथ काम करते हैं, तो संविधान सही मायने में जीवंत हो उठता है। सीजेआई सूर्यकांत ने देश भर में चल रहे विकास कार्यों पर खुशी जताई। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ महीनों में उन्होंने उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, असम और अब तेलंगाना में अदालती परिसरों की नींव रखी है। इससे पता चलता है कि हर विचारधारा की सरकारें अदालतों की सुविधाओं को बेहतर बनाने के महत्व को समझ रही हैं।

चुनाव आयोग की सख्ती का असर, 650 करोड़ से ज्यादा की अवैध जब्ती

- पश्चिम बंगाल में सबसे अधिक 319 करोड़ रुपए की जब्ती दर्ज की गई
- तमिलनाडु में 170 करोड़ रुपए, असम में 97 करोड़ रुपए, केरल में 58 करोड़ रुपए की जब्ती हुई

एजेंसी। नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने विभिन्न राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनावों और उपचुनावों के मद्देनजर अपनी कमर कस ली है। आयोग की निगरानी और प्रवर्तन के चलते बड़ी मात्रा में अवैध सामग्री की जब्ती का मामला सामने आया है। चुनाव आयोग ने बयान जारी इसकी जानकारी दी है। चुनाव आयोग ने की ओर से जारी बयान में कहा गया कि असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा आम चुनावों तथा छह राज्यों में उपचुनावों की घोषणा के बाद से अब तक 650 करोड़ रुपए से अधिक की जब्ती की जा चुकी है। चुनाव आयोग ने सभी संबंधित राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों को आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। आयोग ने चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी और भयमुक्त बनाने के लिए व्यापक तैयारियां की हैं। चुनाव आयोग (ईसीआई) द्वारा जारी बयान के मुताबिक असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा आम चुनावों तथा छह राज्यों में उपचुनावों की घोषणा के बाद से अब तक 650 करोड़ रुपए से अधिक की जब्ती की जा चुकी है। आयोग ने सभी संबंधित राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों को आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

चुनाव आयोग प्रशासन के साथ लगातार कर रहा बैठक

आयोग ने चुनाव वाले पांच राज्यों के साथ-साथ उनके 12 सीमावर्ती राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों, मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ), पुलिस महानिदेशकों (डीजीपी) और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कई समीक्षा बैठकें आयोजित की हैं। इन बैठकों में प्रवर्तन एजेंसियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि चुनावों को हिंसा-मुक्त, डर-मुक्त और प्रलोभन-मुक्त तरीके से संपन्न कराया जाए। जमीनी स्तर पर निगरानी को मजबूत करने के लिए 5,173 से अधिक फ्लाइंग स्क्वॉड तैनात किए गए हैं, जिनका उद्देश्य चुनाव से जुड़ी शिकायतों का 100 मिनट के भीतर निपटारा सुनिश्चित करना है। इसके अतिरिक्त, 5,200 से अधिक स्टैटिक सर्विलांस टीमें (एसएसटी) भी विभिन्न स्थानों पर तैनात की गई हैं, जो अचानक नाके लगाकर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रख रही हैं। इन कदमों का उद्देश्य चुनावी प्रक्रिया में धनबल और बाहुबल के प्रभाव को कम करना है।

रेल नीर घोटाले की जानकारी छिपाने पर आईआरसीटीसी को फटकार

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) ने भारतीय रेलवे की खानपान इकाई आईआरसीटीसी को एक आरटीआई अर्जी पर जानकारी देने से मना करने के लिए फटकार लगाई है। इस अर्जी में रेलवे के टेंडर से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण सवाल पूछे गए थे। उक्त अर्जी में यह सवाल किया गया था कि क्या रेलवे टेंडर के लिए बोली लगाने वाली कंपनियों ने 'रेल नीर घोटाले' और केंद्रीय एजेंसियों की जांच के बारे में खुलासा किया था। आवेदक यह जानना चाहता था कि क्या इन कंपनियों ने टेंडर दस्तावेजों में अपने खिलाफ चल रहे सीबीआई या प्रवर्तन निदेशालय के मामलों का साफ जिक्र किया था। रेल नीर घोटाला साल 2015 का भ्रष्टाचार का मामला है। इसकी जांच सीबीआई ने की थी। इस मामले में निजी कंपनियों ने राजधानी और शताब्दी जैसी प्रीमियम ट्रेनों में 'रेल नीर' की जगह सस्ता बोतलबंद पानी सप्लाई किया था। इस धोखाधड़ी से रेलवे को करीब 19.5 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था।

टीएमसी पर घुसपैठियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया

कट, कमीशन और करप्शन से बंगाल बेहाल : पीएम मोदी

- बहन-बेटियों के सम्मान और आपकी समृद्धि के लिए मैदान में है बीजेपी

एजेंसी। कूचविहार

पश्चिम बंगाल के कूच बिहार में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कानून-व्यवस्था और घुसपैठ के मुद्दे को लेकर टीएमसी सरकार पर निशाना साधा। पीएम मोदी ने कहा कि बंगाल के सीमावर्ती क्षेत्रों में डेमोग्राफी में खतरनाक बदलाव आया है क्योंकि घुसपैठियों को टीएमसी का सीधा संरक्षण मिलता है। सीएम ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि पहले बंगाल में लोग रोजगार के लिए आते थे, लेकिन निर्मम सरकार ने उसी बंगाल को पलायन का केंद्र बन दिया है। पीएम मोदी ने कहा कि ये तृणमूल वाले एसआईआर का विरोध कर रहे हैं ताकि घुसपैठियों की पहचान न हो सके, उल्टे टीएमसी सीएए को रद्द करने की धमकी दे रही है। यानि जिन शरणार्थी हिंदुओं को नागरिकता मिली है, ये उनकी नागरिकता छीनेंगे और वो ये नागरिकता घुसपैठियों को देंगे। क्योंकि टीएमसी घुसपैठियों को अपना वोटबैंक मानती है। इन घुसपैठियों को टीएमसी का सीधा संरक्षण मिलता है।

पापों का चुन-चुन कर होगा हिसाब

उन्होंने कहा कि एक ओर संदेशखाली जैसी बहनों की चीखें और बेटियों पर होता निर्मम अत्याचार है, दूसरी ओर नारीशक्ति को सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण की मोदी की गारंटी है. मैं आपको भरोसा देता हूं कि इस बार चुनाव के बाद इनके पापों का पूरा हिसाब किया जाएगा। चुन-चुन कर हिसाब किया जाएगा. 4 मई के बाद कानून अपना काम करेगा। चाहे कोई बड़े से बड़ा गुंडा क्यों न हो। इस बार न्याय होकर रहेगा।

टीएमसी इन्हें सीधे अपने सिंडिकेट में भर्ती करती है। टीएमसी बंगाल में कानून-व्यवस्था का जनाजा निकालने पर तुली है। उन्होंने कहा कि मैं कूचविहार से देश के सभी राज्यों को मैं फिर याद दिलाता हूं कि जिन भी राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण में अच्छा काम किया है उनको सीटों के विषय में कोई नुकसान नहीं होगा, सभी का फायदा ही होगा। सभी राज्यों की भागीदारी और सबके अधिकार सुरक्षित रहेंगे। हम संसद में इसपर पक्का ठप्पा लगाना चाहते हैं कि महिलाओं के लिए अतिरिक्त सीटें बढ़े। ताकि राज्यों को इसका बड़ा फायदा मिलेद्य पीएम मोदी ने कहा, श्हमारा बंगाल शक्ति पूजा की धरती है। मैं यहां आए सभी बहनों-बेटियों को, बंगाल की हर बहन-बेटियों से कहूंगा कि बीजेपी आपके सम्मान और आपकी समृद्धि के लिए मैदान में है. बीजेपी सरकार आएगी तो महिलाओं के सच्चे सशक्तिकरण का रास्ता खोलेगी और ये हमारा ट्रैक रिकॉर्ड है। देश की 3 करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाया, लेकिन ये बहुत जरूरी है कि देश के लिए होने वाले फैसलों में भी महिलाओं की भूमिका और अधिक बढ़े इसलिए हमारी सरकार ने लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 फीसदी रिजर्वेशन देने का कानून बनाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यहां की निर्मम सरकार बंगाल की इस पावन माटी पर हर रोज लोकतंत्र को लहुलूहान कर रही है. ये निर्मम सरकार अपने आगे किसी संवैधानिक संस्था को कुछ भी नहीं समझती. दो-तीन पहले पूरे देश ने देखा है कि कैसे मालदा में न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाकर रखा गया।

राहुल दुनिया के सबसे बड़े झूठे : शाह

एजेंसी। कराईकल (पुडुचेरी)

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पुडुचेरी से राहुल गांधी पर जोरदार हमला बोला। अमित शाह ने शनिवार को कहा कि हाल में किए गए मुक्त व्यापार समझौतों और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में देश के किसानों और मछुआरों के हितों की पूरी तरह से रक्षा की गई है। शाह ने कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी पर झूठ बोलकर किसानों और मछुआरों को गुमराह करने और भ्रम पैदा करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। अमित शाह ने पुलवामा हमले के बाद आतंकवाद के खिलाफ ह्यसर्जिकल स्ट्राइकह्ण और इसके बाद ह्यऑपरेशन सिंदूरह्ण जैसी निर्णायक कार्रवाई के लिए प्रधानमंत्री

मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा की। उन्होंने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले सीआरपीएफ जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए शाह ने आरोप लगाया कि गांधी ने रोजाना झूठ बोलने की एक नयी परंपरा शुरू कर दी है। शाह ने राहुल से कहा कि वे ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के साथ-साथ अमेरिका के साथ हुए हालिया समझौतों की बारीकियों को ह्यध्यानपूर्वकह्ण पढ़ें। समझौतों को लेकर कांग्रेस सांसद ने तीखे हमले किए थे। केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी के कराईकल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की एक बड़ी रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि झूठ बोलना, जोर-जोर से झूठ बोलना और उसे दोहराना राहुल गांधी की नीति है। लेकिन लोग आपकी झूठ गढ़ने वाली फैक्टरी को पहचान चुके हैं। पुडुचेरी में चुनाव नजदीक आने के बीच शाह ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी देश के मछुआरों और किसानों को गुमराह करना चाहते हैं। उनका इरादा झूठ बोलकर भ्रम फैलाना है।

होर्मुज से बेधड़क सुरक्षित गुजरेंगे भारतीय जहाज युद्ध के बीच ईरान ने दोस्त भारत को दिया भरोसा

एजेंसी। नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच भारत में ईरान के राजदूत मोहम्मद फतहाली ने कहा है कि उनके देश के खिलाफ चल रहा युद्ध भ्रम पर आधारित एक अवैध हमला है। उन्होंने संकेत दिए हैं कि तनावपूर्ण माहौल के बीच तेहरान व नई दिल्ली के बीच निरंतर सहयोग जारी रहेगा। साथ ही भारतीय जहाजों को होर्मुज से सुरक्षित रास्ता दिया जाएगा। भारत के रुख की जमकर तारीफ करते हुए कहा, यह क्षेत्रीय जटिलताओं की भारत की गहरी समझ को दशार्ता है। मोहम्मद फतहाली ने होर्मुज स्ट्रेट की स्थिति पर कहा, फिलहाल होर्मुज केवल उन देशों के लिए बंद है, जो ईरान के साथ युद्ध की स्थिति में हैं। युद्धकाल में स्वाभाविक है कि हम अपने दुश्मनों को अपने आंतरिक जलक्षेत्र से गुजरने नहीं देंगे। अन्य जहाजों की आवाजाही कम होने का कारण क्षेत्र में असुरक्षा और बेहद ऊंची बीमा लागत है। राजदूत मोहम्मद फतहाली कहा, भारत समेत मित्र देशों के जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए विशेष व्यवस्थाएं लागू की गई हैं। यह व्यवस्था वास्तविक समय की परिस्थितियों के आधार पर प्रत्येक मामले में अलग-अलग तरीके से संचालित की जाती है। फतहाली ने स्पष्ट किया कि ईरान के खिलाफ "प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आक्रामकता में शामिल" देशों के लिए पहुंच प्रतिबंधित है।

अपराध नियंत्रण पर सख्त रुख, 15 दिनों में लंबित मामलों के निपटारे का अल्टीमेटम

■ **हाईवे और संवेदनशील इलाकों में बढ़ेगी पेट्रोलिंग, साइबर क्राइम पर जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश**

केटी न्यूज/डुमरांव

अनुमंडल क्षेत्र में बढ़ती आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। इसी कड़ी में रविवार को अनुमंडल पुलिस कार्यालय सभागार में आयोजित क्राइम मीटिंग में एसडीपीओ पोलस्त कुमार ने कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए कई अहम निर्देश जारी किए। बैठक में अनुमंडल के सभी थानाध्यक्ष, सर्किल इंस्पेक्टर, जांच पदाधिकारी और तकनीकी शाखा के अधिकारी उपस्थित रहे। एसडीपीओ ने स्पष्ट रूप से कहा कि अपराध नियंत्रण के लिए सबसे जरूरी है पुलिस की सक्रियता और जवाबदेही। उन्होंने गश्ती व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाने पर जोर देते हुए निर्देश दिया कि खासकर रात्रि गश्ती में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एसडीपीओ ने हाईवे, भीड़-भाड़ वाले बाजारों और संवेदनशील गांवों को चिन्हित कर वहां नियमित मोबाइल पेट्रोलिंग सुनिश्चित करने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस की लगातार मौजूदगी से असामाजिक तत्वों में भय बना रहेगा और अपराध की घटनाओं में कमी आएगी। बैठक में लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए एसडीपीओ ने सभी थानाध्यक्षों को 15 दिनों के भीतर अधिक से अधिक कांडों के निष्पादन का लक्ष्य दिया। उन्होंने अनुसंधान की गुणवत्ता में सुधार लाने पर विशेष बल देते हुए कहा कि मजबूत आरोपपत्र ही अदालत में अपराधियों को सजा दिलाने में मददगार साबित होंगे। इसके अलावा वारंटियों और फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। साइबर अपराध के बढ़ते मामलों को देखते हुए उन्होंने आम लोगों में जागरूकता फैलाने और पीड़ितों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने पर जोर दिया। एसडीपीओ ने यह भी निर्देश दिया कि थानों में आने वाले हर फरियादी के साथ संवेदनशील व्यवहार किया जाए, ताकि पुलिस और जनता के बीच विश्वास मजबूत हो सके। बैठक के अंत में उन्होंने कहा कि अनुशासन, समन्वय और सक्रिय कार्यशैली के जरिए ही बेहतर कानून-व्यवस्था कायम रखी जा सकती है।

अदफा में 520 बेड वाले ओबीसी कन्या आवासीय विद्यालय का उद्घाटन, बेटियों की शिक्षा को मिला नया आधार

■ **कक्षा 6 से 12 तक निःशुल्क शिक्षा, आवास व सुरक्षा की सुविधा, मंत्री रमा निषाद बोलीं— समान अवसर से ही सशक्त होगा समाज**

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव प्रखंड के अदफा गांव में रविवार को शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की छात्राओं के लिए 520 बेड क्षमता वाले कन्या आवासीय प्लस टू विद्यालय का भव्य उद्घाटन किया गया। इस विद्यालय के शुरू होने से क्षेत्र की सैकड़ों बेटियों को अब गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ सुरक्षित आवासीय सुविधा एक ही परिसर में उपलब्ध हो सकेगी।

उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की मंत्री रमा निषाद शामिल हुईं। उनके साथ प्रभारी जिलाधिकारी सह डीडीसी निहारिका छवि, एडीएम अरुण कुमार, डुमरांव एसडीएम राकेश कुमार सहित कई प्रशासनिक अधिकारी और स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मंत्री द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री रमा निषाद ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता समाज के हर वर्ग को समान अवसर उपलब्ध कराना है, खासकर उन बेटियों को जो संसाधनों के अभाव में शिक्षा से वंचित रह जाती हैं। उन्होंने कहा कि यह आवासीय विद्यालय न केवल शिक्षा का केंद्र बनेगा, बल्कि यहां छात्राओं के व्यक्तित्व विकास और आत्मनिर्भरता को भी बढ़ावा मिलेगा। सुरक्षित माहौल और बेहतर सुविधाएं उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेंगी। उन्होंने आगे कहा कि इस तरह के संस्थान ग्रामीण क्षेत्रों की छात्राओं के लिए वरदान साबित होंगे, क्योंकि अब उन्हें पढ़ाई के लिए दूर-दराज के शहरों में नहीं जाना पड़ेगा। इससे न केवल अभिभावकों की चिंता कम होगी, बल्कि बालिकाओं की निरंतर शिक्षा भी सुनिश्चित हो सकेगी। प्रभारी डीएम सह डीडीसी निहारिका छवि ने अपने संबोधन में कहा कि यह विद्यालय क्षेत्र के लिए मील का पत्थर है। उन्होंने बताया कि यहां कक्षा 6 से 12 तक की छात्राओं को निःशुल्क शिक्षा के साथ आवास, भोजन, पुस्तकें और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने निर्माण एजेंसी और शिक्षा विभाग की सराहना करते हुए कहा कि निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूरा करना सराहनीय है। विद्यालय परिसर का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों ने यहां उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। आधुनिक भवन, विशाल कक्षाएं, सुसज्जित प्रयोगशालाएं, समृद्ध पुस्तकालय और अत्याधुनिक कंप्यूटर लैब छात्राओं के बेहतर शैक्षणिक माहौल को सुनिश्चित करते हैं। इसके अलावा खेलकूद के लिए आवश्यक उपकरण और मैदान भी उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे छात्राओं का शारीरिक विकास भी हो सके। सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। साथ ही प्रशिक्षित वार्डन, मेडिकल सुविधा और 24 घंटे सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई है, ताकि छात्राएं पूरी तरह सुरक्षित वातावरण में रहकर अपनी पढ़ाई कर सकें। एडीएम अरुण कुमार ने कहा कि इस योजना के माध्यम से पिछड़े वर्ग की हजारों बेटियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। इससे समाज में शिक्षा का स्तर सुधरेगा और आर्थिक व सामाजिक सशक्तिकरण को भी बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गईं, जिसने माहौल को उत्साहपूर्ण बना दिया। स्थानीय ग्रामीणों ने विद्यालय के उद्घाटन पर खुशी व्यक्त करते हुए इसे क्षेत्र के विकास की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया। समारोह के अंत में अधिकारियों ने विद्यालय की व्यवस्थाओं का विस्तृत निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। इस नए शैक्षणिक संस्थान से क्षेत्र में बालिका शिक्षा को नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

एक नजर

पुराना भोजपुर में फुटबॉल का उत्सव शुरू रोमांचक मुकाबले में महेन ने दर्ज की जीत

डुमरांव। पुराना भोजपुर के स्थानीय मैदान में रविवार को कस्तूरबा स्मारक शील्ड फुटबॉल टूनामेंट का भव्य आगाज हुआ। खेलप्रेमियों की भारी भीड़ और उत्साह के बीच इस वार्षिक प्रतियोगिता का उद्घाटन राजपरिवार के मानविजय सिंह ने फीता काटकर किया। उद्घाटन समारोह में खिलाड़ियों, ग्रामीणों और गणमान्य लोगों की उपस्थिति ने माहौल को उत्सवमय बना दिया। टूनामेंट के संयोजक नंदजी सिंह खिलाड़ियों जमकर आवाभगत करते हुए उन्हें सारी सुविधा मुहैया करायी। वहीं दर्शकों को हौसला अफजाई करने के लिये मैदान में मौजूद रहे।

इस मौके पर मुख्य अतिथि मानविजय सिंह ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे खेल आयोजनों से प्रतिभाओं को मंच मिलता है। उन्होंने कहा, फुटबॉल जैसे खेल युवाओं में अनुशासन, टीमवर्क और नेतृत्व क्षमता विकसित करते हैं। हमारी कोशिश है कि गांवों की प्रतिभाएं आगे बढ़ें और बड़े स्तर पर पहचान बनाएं।

कार्यक्रम में जदयू नेता विनोद राय ने भी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा, ह्लखेल न केवल शारीरिक रूप से मजबूत बनाते हैं, बल्कि मानसिक विकास में भी अहम भूमिका निभाते हैं। सरकार और समाज दोनों को मिलकर ऐसे आयोजनों को बढ़ावा देना चाहिए ताकि युवा सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ें।

टूनामेंट के पहले दिन महेन और बनारस के बीच खेले गए मुकाबले ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। मैच की शुरूआत से ही दोनों टीमों ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। पहले हाफ में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली, लेकिन कोई भी टीम गोल करने में सफल नहीं हो सकी।

दूसरे हाफ में महेन की टीम ने खेल पर पकड़ मजबूत की और शानदार मूव के जरिए निर्णायक गोल दाग दिया। 90 मिनट तक चले इस मुकाबले में महेन ने 1-0 से जीत दर्ज कर अगले दौर में प्रवेश किया। महेन की मजबूत डिफेंस और मिडफील्ड की बेहतरीन तालमेल ने जीत में अहम भूमिका निभाई। आयोजन समिति के अनुसार, टूनामेंट के अगले चरण में आज सासाराम और आरा चारघाट के बीच मुकाबला खेला जाएगा। इसके बाद बलिया और गाजीपुर के बीच होने वाला मैच भी काफी रोमांचक रहने की उम्मीद है। सेमीफाइनल में पुराना भोजपुर और छपरा की टीमें आमने-सामने होंगी, जिसे लेकर खेलप्रेमियों में खासा उत्साह है।

समिति ने बताया कि टूनामेंट का फाइनल मुकाबला 12 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा। फाइनल में बड़ी संख्या में दर्शकों के जुटने की संभावना जताई जा रही है। इस अवसर पर मुखिया सिंह कुशवाहा, विनय सिंह, बबलू चौरसिया, उमेश यादव, लक्ष्मण चौधरी, कामेश्वर प्रसाद सिन्हा, निर्मल केशरी और ठाकुर सिंह समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। आयोजन समिति के सदस्यों ने कहा कि यह टूनामेंट न केवल खेल भावना को बढ़ावा देता है, बल्कि ग्रामीण युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का सुनहरा अवसर भी प्रदान करता है।

चौसा में रोजगार अनियमितता व कृषि मुद्दों पर किसानों की बैठक, 9 अप्रैल को किसान संसद में भागीदारी का निर्णय

केटी न्यूज/चौसा

चौसा स्थित एसटीपीएल थर्मल पावर प्लांट में रोजगार को लेकर कथित अनियमितताओं तथा कृषि से जुड़े विभिन्न राष्ट्रीय मुद्दों पर रविवार को पंचायत भवन बनारपुर में प्रभावित किसान खेतिहर मजदूर मोर्चा की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में बड़ी संख्या में किसान, मजदूर और संगठन से जुड़े सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान प्लांट में स्थानीय लोगों को रोजगार देने में हो रही धांधली पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि योग्य स्थानीय युवाओं की अनदेखी कर बाहरी लोगों को प्राथमिकता दी जा रही है, जिससे क्षेत्र में असंतोष बढ़ रहा है। इसके अलावा भारत सरकार द्वारा बीज, बिजली और कीटनाशक बिल से संबंधित अमेरिका-भारत समझौते के प्रभावों पर भी गंभीर विमर्श किया गया। किसानों ने आशंका जताई कि इस तरह के समझौते से कृषि लागत बढ़ सकती है, जिसका सीधा असर छोटे और मध्यम किसानों पर पड़ेगा। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय किसान यूनियन बिहार-झारखंड प्रदेश अध्यक्ष दिनेश कुमार सिंह तथा बिहार राज्य दुग्ध उत्पादक संघ के प्रदेश महासचिव अशोक प्रसाद सिंह मौजूद रहे। उन्होंने किसानों की समस्याओं को गंभीरता से उठाने और संगठित होकर संघर्ष करने का आह्वान किया। इस दौरान मोर्चा के सदस्य बृजेश राय, नन्दलाल सिंह, अश्विनी कुमार चौबे, रामप्रवेश सिंह, शैलेश राय और शिवजी सिंह सहित अन्य लोगों ने भी अपने विचार रखे। सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि आगामी 9 अप्रैल को आयोजित किसान संसद में मोर्चा की ओर से लगभग 75 किसान भाग लेंगे।

नौकरी की नई शुरूआत से पहले हादसा पटना जाते युवक की सड़क दुर्घटना में मौत

■ **पटना ज्वाइन करने जा रहे इकलौते बेटे की मौत से परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़, गांव में पसरा मातम**

केटी न्यूज/नावानगर

जीवन की नई शुरूआत करने जा रहे एक युवक की खुशियां सड़क हादसे में पलभर में मातम में बदल गईं। दानापुर के नेउरा के पास रविवार की सुबह हुई दुर्घटना में सोनवर्षा गांव निवासी 26 वर्षीय कुमार अभिषेक कुमार की मौत हो गई। वह एचडीएफसी बैंक में चयनित होने के बाद पटना पदभार ग्रहण करने जा रहा था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अभिषेक अपने घर से बड़े उत्साह के साथ पटना के लिए निकला था, जहां उसे मंगलवार को वहां के किसी बैंक शाखा में ज्वाइन करना था। परिवार और गांव के लोगों को उससे काफी उम्मीदें थीं। लेकिन नेउरा के पास उसकी बाइक बालू लदे एक अनियंत्रित ट्रैक्टर से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मौके पर ही उसकी मौत हो गई। इस हादसे की खबर जैसे ही गांव पहुंची, पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र था, जिससे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है और गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। ग्रामीणों ने बताया कि अभिषेक पढ़ाई में भी अच्छा था और हाल ही में एचडीएफसी बैंक में उसकी नौकरी लगी थी। परिवार उसके उज्ज्वल भविष्य को लेकर काफी खुश था। इतना ही नहीं, उसकी शादी भी आगामी नवंबर माह में तय हो चुकी थी। एक ओर जहां घर में शादी और नौकरी की खुशियों की तैयारी चल रही थी, वहीं इस दुर्घटना ने सबकुछ छीन लिया। गांव के लोग इसे बेहद दर्दनाक और दुर्भाग्यपूर्ण घटना बता रहे हैं।

ईस्टर पर प्रेम, सेवा और एकता का संदेश चर्च में दिखी सामाजिक समरसता की झलक

केटी न्यूज/डुमरांव

पुराना भोजपुर स्थित स्वगारोहण चर्च में रविवार को मनाया गया ईस्टर पर्व सिर्फ धार्मिक आयोजन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह सामाजिक एकता, सेवा और मानवता के संदेश का भी प्रतीक बनकर उभरा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्र हुए और पूरे क्षेत्र में उत्सव के साथ-साथ आपसी भाईचारे का माहौल देखने को मिला।

चर्च परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था, जहां सुबह से ही लोगों की भीड़ उमड़ने लगी। विशेष प्रार्थना सभा के दौरान श्रद्धालुओं ने मोमबत्तियां जलाकर शांति, प्रेम और सद्भाव की कामना की। आयोजन के दौरान फादर भास्कर ने अपने संबोधन में कहा कि ईस्टर का वास्तविक संदेश केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन में सकारात्मक बदलाव, आपसी सहयोग और समाज के कमजोर वर्गों की मदद करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि आज के दौर में जब समाज कई चुनौतियों से जूझ रहा है, ऐसे में ईस्टर का संदेश हमें एक-दूसरे के प्रति संवेदनशील बनने और मिल-जुलकर आगे बढ़ने की सीख देता है। कार्यक्रम के बाद चर्च प्रबंधन द्वारा बच्चों और महिलाओं के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिससे उत्सव का माहौल और भी जीवंत हो उठा। इस दौरान श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे को बधाई देते हुए प्रेम और सौहार्द का परिचय दिया। पूरे दिन क्षेत्र में खुशियों और उत्साह का वातावरण बना रहा। ईस्टर का यह आयोजन धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक समरसता और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देने का माध्यम बना।

फोरलेन पर सख्ती का पहरा : बालू माफिया पर कसा शिकंजा, ट्रेलरों की रातभर चली चेकिंग

केटी न्यूज/डुमरांव

अवैध बालू परिवहन पर नकेल कसने के लिए प्रशासन ने शनिवार की रात नया भोजपुर थानाक्षेत्र के फोरलेन पर सख्ती का ऐसा अभियान चलाया, जिससे बालू कारोबारियों में हड़कंप मच गया। एसडीएम राकेश कुमार, एसडीपीओ पोलस्त कुमार और थानाध्यक्ष चंदन कुमार के नेतृत्व में चलाए गए इस विशेष अभियान के तहत महाराजा कोठी के समीप दर्जनों बालू लदे ट्रेलरों को रोककर गहन जांच की गई।

अधिकारियों की टीम ने हर वाहन के चालान, परमिट और अन्य आवश्यक दस्तावेजों की बारीकी से पड़ताल की। जांच के दौरान अधिकांश ट्रेलरों के कागजात सही पाए गए, लेकिन कुछ वाहनों में नियमों की अनदेखी सामने आई, जिस पर तत्काल जुमार्ना लगाते हुए कार्रवाई की गई। प्रशासन की इस अचानक सख्ती से अवैध परिवहन में लिप्त लोगों के बीच बेचैनी साफ देखी गई। अभियान का मुख्य उद्देश्य केवल अवैध बालू ढुलाई पर रोक लगाना ही नहीं, बल्कि फोरलेन पर बढ़ते सड़क हादसों को नियंत्रित करना भी रहा। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि नियमों का उल्लंघन करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा, ताकि अवैध गतिविधियों पर पूरी तरह लगाम लगाई जा सके। जांच के दौरान चालकों को सख्त निर्देश दिए गए कि फोरलेन पर तेज गति से वाहन चलाने, गलत तरीके से ओवरटेकिंग करने और नो-एंट्री नियमों की अनदेखी से बचें। एक लेन में अनुशासित तरीके से वाहन चलाने की हिदायत देते हुए अधिकारियों ने सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया। एसडीएम राकेश कुमार ने कहा कि नियमित निगरानी और कड़ी चेकिंग से न केवल अवैध परिवहन पर अंकुश लगेगा, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं में भी कमी आएगी। वहीं एसडीपीओ पोलस्त कुमार ने संकेत दिए कि आने वाले दिनों में और भी व्यापक स्तर पर अभियान चलाए जाएंगे। प्रशासन की इस कार्रवाई से स्थानीय लोगों में भरोसा बढ़ा है और यह संदेश गया है कि अब फोरलेन पर नियमों से खिलवाड़ करना आसान नहीं होगा।

ट्यूशन पढ़ने के दौरान बच्चों की मामूली कहासुनी पर दो परिवार आमने-सामने

कनझरुआं में बच्चों के विवाद में महिला की पीट-पीटकर हत्या, आरोपित मां बेटी गिरफ्तार, एक नाबालिग भी पकड़ाई

- **घात लगाकर हमले का आरोप, पुलिस ने दो को दबोचा, एक नाबालिग हिरासत में**

केटी न्यूज/डुमरांव

कोरानसराय थाना क्षेत्र के कनझरुआं गांव में शनिवार की शाम हुई एक दर्दनाक वारदात ने गांव ही नहीं, पूरे इलाके को सोचने पर मजबूर कर दिया है। सवाल यह है कि क्या अब समाज में सहनशीलता इतनी खत्म हो चुकी है कि बच्चों की मामूली तकरार भी जानलेवा हिंसा में बदल जाए। इस घटना में 44 वर्षीय सुनीता देवी की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई, वह भी कथित तौर पर पड़ोसियों द्वारा। घटना शनिवार शाम करीब 7.30 बजे की है। सुनीता देवी अपनी मां और बेटी के साथ गांव के उत्क्रमित उच्च विद्यालय के पास टहलने निकली थीं। इसी दौरान उन पर हमला हुआ। आरोप है कि पड़ोस में रहने वाली कंचन देवी और उसकी तीन बेटियों ने पहले से घात लगाकर उन्हें रोका और अचानक हमला बोल दिया।

गुस्से की चिंगारी बनी जानलेवा आग

इस पूरे घटनाक्रम की शुरूआत एक बेहद मामूली विवाद से हुई थी। 1 अप्रैल को सुनीता देवी के 12 वर्षीय बेटे आकाश कुमार और पड़ोसी लड़की अंशिका के बीच ट्यूशन में झगड़ा हुआ था। अगले दिन अंशिका की मां कंचन देवी शिकायत लेकर सुनीता के घर पहुंचीं। इस दौरान दोनों परिवारों के बीच तीखी बहस हुई और यहीं से रिश्तों में दरार गहरी हो गई।

गांव वालों के मुताबिक, यह तनाव अंदर ही अंदर सुलगता रहा और शनिवार को विस्फोट बनकर सामने आया। आरोप है कि इसी रंजिश में कंचन देवी और उसकी बेटियों ने सुनीता देवी को निशाना बनाया।

सार्वजनिक जगह पर बेरहम पिटाई

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना बेहद भयावह थी। सुनीता देवी को चारों ओर से घेर लिया गया और उन पर लगातार मुक्के-घूंसे बरसाए गए। उनके बाल खींचे गए और उन्हें जमीन पर गिराकर बेरहमी से पीटा गया। यह सब कुछ सार्वजनिक जगह पर हुआ, लेकिन हमलावरों के आक्रामक रवैये के कारण कोई भी तुरंत हस्तक्षेप नहीं कर सका। गंभीर अंदरूनी चोटों के कारण सुनीता देवी मौके पर ही गिर पड़ीं और उनकी मौत हो गई। कुछ ही मिनटों में एक जिंदा इंसान की जिंदगी खत्म हो गईकृवह भी एक ऐसे विवाद में, जिसे आसानी से सुलझाया जा सकता था।

परिवार की रीढ़ थी सुनीता

सुनीता देवी एक मजदूर परिवार से थीं और पांच बच्चों की मां थीं। उनके पति बीरबहादुर कानू चंडीगढ़ में रहकर राजमिस्त्री का काम करते हैं। घटना की सूचना मिलते ही वे घर के लिए रवाना हो गए हैं।परिवार के लिए यह सिर्फ एक मौत नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था का ढह जाना है। सुनीता ही घर की जिम्मेदारियों का केंद्र थीं, बच्चों की पढ़ाई, घर का खर्च और रोजमर्रा की जरूरतें, सब कुछ वही संभालती थीं। बड़े बेटे की शादी इसी साल नवंबर में तय थी, लेकिन अब घर में मातम पसरा है।

पुलिस की कार्रवाई, पर सवाल कायम

घटना की सूचना मिलते ही डायल-112 और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। कोरानसराय थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार और एसडीपीओ पोलस्त कुमार ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। परिजनों के बयान पर चार लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी कंचन देवी और उसकी बड़ी बेटी अनीता कुमारी को गिरफ्तार कर लिया है। एक नाबालिग को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है, जबकि अन्य संदिग्धों से पूछताछ जारी है। एसडीपीओ पोलस्त कुमार ने कहा कि मामले की गहन जांच की जा रही है और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

गांव में आक्रोश, समाज के लिए चेतावनी

घटना के बाद गांव में गहरा आक्रोश है। लोग इस बात से स्तब्ध हैं कि एक छोटी सी बात ने इतनी बड़ी त्रासदी को जन्म दे दिया। ग्रामीणों ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। यह घटना सिर्फ एक हत्या नहीं, बल्कि समाज में बढ़ती असहिष्णुता और संवाद की कमी की गंभीर चेतावनी भी है। अगर समय रहते छोटे विवादों को सुलझाने की कोशिश नहीं की गई, तो ऐसे हादसे आगे भी होते रहेंगे। फिलहाल पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है और जांच जारी है, लेकिन कनझरुआं की यह घटना एक कड़वा सच छोड़ गई है कि अब गुस्सा सिर्फ रिश्ते नहीं तोड़ रहा, बल्कि जान भी ले रहा है।

एक नजर

डुमरांव नगर में भाजपा प्रशिक्षण शिविर आयोजित, कार्यकर्ताओं को दी गई वैचारिक एवं संगठनात्मक जानकारी

डुमरांव। डुमरांव नगर में रविवार को भारतीय जनता पार्टी द्वारा एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें पार्टी के वरिष्ठ नेताओं एवं पदाधिकारियों ने कार्यकताओं को पार्टी के मूलभूत सिद्धांतों, इतिहास, कार्यशैली और विकास यात्रा के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम का उद्देश्य कार्यकताओं को वैचारिक रूप से मजबूत करते हुए संगठन को और सशक्त बनाना था। प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन, पूर्व जिलाध्यक्ष सच्चिदानंद भगत, जिला उपाध्यक्ष रमेश गुप्ता, महामंत्री विनोद राय, जिला मंत्री ओमज्योति भगत एवं जिला उपाध्यक्ष गीता त्रिवेदी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। मंच संचालन नगर महामंत्री अविनाश त्रिपाठी ने किया। वहीं ग्रामीण मंडल नंदजी भारती की अध्यक्षता में कृष्णाबांध में भी समानांतर प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन ने भाजपा के इतिहास और विकास यात्रा पर प्रकाश डाला, जिससे कार्यकताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। वरिष्ठ नेता बलराम पांडेय ने पार्टी की कार्यपद्धति को समझाते हुए संगठनात्मक मजबूती पर जोर दिया। वहीं सरकारी उपलब्धियों पर चर्चा करते हुए रामकुमार सिंह ने कार्यकताओं को आमजन के बीच जाकर सरकार की योजनाओं को पहुंचाने की अपील की।

वैचारिक अधिष्ठान पर शंभूनाथ पाठक ने विस्तार से जानकारी दी, जबकि वरिष्ठ नेत्री पिंकी पाठक ने संगठन विस्तार और प्राथमिकताओं पर अपने विचार रखे। बूथ प्रबंधन के विषय में वरिष्ठ नेता जितेंद्र दुबे ने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। इसके अलावा नेता मनोज सिंह ने सोशल मीडिया की भूमिका को रेखांकित किया।

कार्यक्रम में नगर अध्यक्ष विवेक उपाध्याय, पूर्व जिला मंत्री राजीव भगत, नगर मंत्री अनिल साह, राकेश चौधरी, सोनू राय, राजू खरवार, अजीत भगत समेत दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नैनीजोर में सरकारी जमीन पर फसल काटने को लेकर चली गोली, अधेड़ की मौत, कुख्यात समेत तीन गिरफ्तार

केटी न्यूज/डुमरांव

अनुमंडल के नैनीजोर थाना क्षेत्र अंतर्गत गायघाट मौजा के सरकारी जमीन पर फसल कटनी को लेकर दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हो गया, इस दौरान गोलीबारी में एक व्यक्ति को गोली लगने से मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना शनिवार की रात करीब 11 बजे की है। इसकी जानकारी मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि, समाचार लिखे जाने तक इस मामले में एफआईआर दर्ज नहीं कराया गया था।

मृतक की पहचान नैनीजोर के वार्ड 09 स्थित यादव टोला निवासी 58 वर्षीय तारकेश्वर यादव पिता स्व. कैलाश यादव के रूप में हुई है। पुलिस ने इस घटना के बाद स्थानीय गांव निवासी मनन तिवारी तथा हार्वेस्टर मालिक व चालक को गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की जांच पुलिस कर रही है। एसडीपीओ पोलस्त कुमार ने गिरफ्तारी की पुष्टि की है।

बता दें कि नैनीजोर के गायघाट मौजा में दशकों से जमीन विवाद चल रहा है। इस विवाद में अबतक दर्जनों जाने जा चुकी है। बताया जा रहा है कि जिस भू-खंड पर फसल कटनी को लेकर विवाद हुआ है वह सरकारी भूमि है, जिस पर लगे गेहूं की फसल को काटने के लिए तारकेश्वर यादव अपने पक्ष के लोगों के साथ रात में गया था, इसी दौरान करीब 11 बजे दूसरा पक्ष भी वहां आ धमका। जिसके बाद दोनों पक्षों में हिंसक झड़प हो गई। इसी दौरान एक पक्ष से हुई गोलीबारी में तारकेश्वर के गर्दन व छाती में गोली लग गई, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर अफरा तफरी मच गई थी। वहीं, सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस व एसडीपीओ मौके पर पहुंचे तथा स्थिति को नियंत्रित किये। पुलिस ने तत्काल तीन लोगों को पकड़ लिया है। इस संबंध में एसडीपीओ पोलस्त कुमार ने बताया कि सरकारी जमीन पर फसल काटने को लेकर विवाद हुआ है। इस मामले में कुख्यात माफिया मनन तिवारी समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। एसडीपीओ ने कहा कि किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। वहीं, यह घटना सरकारी जमीन पर फसल उगाने को लेकर सवालिया निशान भी खड़े कर रहे है।

सिमरी प्रखंड की पहली बैठक में दिखा पूर्व सैनिकों का जोश, संगठन मजबूती पर जोर

- **गांव-गांव जागरूकता अभियान चलाने का निर्णय, पेंशन व ईसीएचएस से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी साझा**

केटी न्यूज/सिमरी

आईईएसएम सिमरी प्रखंड की पहली मासिक बैठक रविवार को प्रखंड अध्यक्ष नायक शशि भूषण ओझा की अध्यक्षता में बड़का सिंघनपुरा स्थित त्यागी रायल पैलेस मैरेज हॉल में आयोजित की गई। बैठक का संचालन निदेशक सार्जेंट बिनोद तिवारी ने किया। कड़ाके की धूप और फसल कटाई के बावजूद विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में पूर्व सैनिकों की उपस्थिति ने संगठन के प्रति उनके समर्पण और उत्साह को दर्शाया।

बैठक में संगठन की मजबूती पर विशेष चर्चा हुई। सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों ने अपने विचार रखते हुए गांव-गांव सैनिक जागरूकता अभियान चलाने का निर्णय लिया। अध्यक्ष नायक शशि भूषण ओझा ने सैनिकों से अपने सभी दस्तावेजों की जांच करने और किसी भी त्रुटि की स्थिति में तत्काल सूचना देने की अपील की।

उपाध्यक्ष हवलदार ब्रिज नाथ सिंह यादव ने जानकारी दी कि 80 वर्ष से अधिक आयु के सैनिकों और वीरांगनाओं को प्रतिवर्ष 24 हजार रुपये की वृद्धावस्था योगदान राशि दी जाएगी, जिसके लिए आवश्यक कागजात जिला सैनिक कल्याण कार्यालय में जमा करना होगा। वहीं सचिव सूबेदार रामेश्वर प्रधान ने ईसीएचएस कार्ड बनवाने पर जोर देते हुए कहा कि आपात स्थिति में यह बेहद उपयोगी साबित होता है।

निदेशक सार्जेंट बिनोद तिवारी ने पेंशन से संबंधित कई महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। बैठक में पीसीडीए के अधिकारियों के कार्यों की सराहना करते हुए सैनिकों ने जोरदार जयघोष किया। साथ ही जानकारी दी गई कि अप्रैल माह में रक्षा राज्य मंत्री का बक्सर आगमन संभावित है।

बैठक के दौरान संगठन के विकास के लिए लगभग 3000 रुपये का दान एकत्र किया गया, जिसकी रसीद सैनिकों को प्रदान की गई। कार्यक्रम के अंत में "भारत माता की जय", "वंदे मातरम" और "सैनिक एकता जिंदाबाद" जैसे नारों से माहौल गूंज उठा। अंत में राष्ट्रगान के बाद नायब सूबेदार त्रिवेणी दुबे ने बैठक समाप्ति की घोषणा की। इस अवसर पर सैकड़ों पूर्व सैनिक उपस्थित रहे।

मेधावी छात्रों का सम्मान बना शिक्षा जागरूकता का संदेश, पुराना भोजपुर में दिखा प्रेरणा का उत्सव

- **स्थानीय पहल से उभरा सकारात्मक माहौल, 18 छात्रों को सम्मानित कर शिक्षा के प्रति बढ़ाया उत्साह**

केटी न्यूज/डुमरांव

पुराना भोजपुर में रविवार को आयोजित एक सम्मान समारोह ने केवल मेधावी छात्रों की उपलब्धियों को ही नहीं सराहा, बल्कि पूरे क्षेत्र में शिक्षा के प्रति नई जागरूकता और प्रेरणा का संदेश भी दिया। स्थानीय शिक्षक जेपी कुमार की पहल पर आयोजित इस कार्यक्रम ने यह साबित किया कि यदि समाज एकजुट होकर प्रयास करे तो शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा बदलाव संभव है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कार्यकारी सभापति विकास ठाकुर उपस्थित रहे। उनके साथ शिक्षक मिथुन यादव, मुखिया सिंह कुशवाहा, पूर्व मुखिया प्रतिनिधि इस्लाम अंसारी, कविंद्र यादव, प्रभात कुमार और विशाल कुमार सहित कई गणमान्य लोगों की मौजूदगी ने आयोजन की गरिमा को और बढ़ाया। सभी अतिथियों ने छात्रों की सफलता को समाज के लिए प्रेरणादायक बताया।

इस अवसर पर मैट्रिक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कुल 18 छात्र-छात्राओं को प्रमाणपत्र और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। समारोह का मुख्य आकर्षण रही पूजा कुमारी, जिन्होंने 481 अंक प्राप्त कर न केवल क्षेत्र बल्कि पूरे बिहार में टॉप टेन सूची में स्थान बनाकर गौरव बढ़ाया। उनके साथ वैष्णवी (479 अंक) और सलोनी कुमारी (468 अंक) ने भी शानदार प्रदर्शन कर क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया।

अन्य प्रमुख छात्रों में आकाश कुमार (466 अंक), अमृता (464 अंक), प्रियंजली (461 अंक), गज सिंह (460 अंक), रुद्र प्रताप (445 अंक), रौशन ओझा (444 अंक) और निशु कुमारी (436 अंक) शामिल रहे। वहीं, आगे की सूची में पुष्पांजलि कुमारी, सोनी कुमारी, रीना कुमारी, प्रतिज्ञा कुमारी, प्रियंका कुमारी, अनामिका कुमारी, अनोखी कुमारी और दिव्या सैनी ने भी उल्लेखनीय अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।

वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि इन छात्रों की सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह पूरे समाज के लिए प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है जो किसी भी क्षेत्र के विकास की दिशा तय करती है, और ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं।

अतिथियों ने छात्रों को आगे भी मेहनत, अनुशासन और निरंतरता बनाए रखने की सलाह दी। साथ ही अभिभावकों और शिक्षकों की भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताया, जिनके सहयोग से ही छात्र इस मुकाम तक पहुंचते हैं।

कार्यक्रम का समापन उत्साह और गर्व के माहौल में हुआ। इस आयोजन ने यह स्पष्ट कर दिया कि पुराना भोजपुर अब शिक्षा के क्षेत्र में नई पहचान बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, जहां प्रतिभा को न केवल पहचाना जा रहा है बल्कि सम्मान भी दिया जा रहा है।

प्रशासन की अनदेखी से सड़कों पर बढ़ रहा जोखिम नाबालिगों के हाथों में ई-रिक्शा की कमान

केटी न्यूज/डुमरांव

शहर में ई-रिक्शा संचालन को लेकर प्रशासनिक ढिलाई अब लोगों की सुरक्षा पर भारी पड़ती नजर आ रही है। बिना लाइसेंस और पर्याप्त प्रशिक्षण के नाबालिगों द्वारा ई-रिक्शा चलाने की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है, जिससे सड़क हादसों का खतरा लगातार गहराता जा रहा है।

डुमरांव शहर समेत आसपास के क्षेत्रों में बड़ी संख्या में किशोर खुलेआम ई-रिक्शा चलाते देखे जा सकते हैं। इनमें से अधिकांश को न तो यातायात नियमों की जानकारी है और न ही सुरक्षित ड्राइविंग का अनुभव। नतीजतन, ये वाहन अक्सर तेज गति और लापरवाही के साथ सड़कों पर दौड़ते हैं, जिससे आम राहगीरों और यात्रियों की जान जोखिम में पड़ जाती है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि कई मामलों में अभिभावक स्वयं आर्थिक लाभ के उद्देश्य से अपने नाबालिग बच्चों को ई-रिक्शा सौंप देते हैं। वहीं कुछ किशोर इसे कमाई का आसान जरिया मानकर बिना किसी भय के सड़कों पर उतर रहे हैं।

इस स्थिति को लेकर शहरवासियों में चिंता बढ़ती जा रही है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे मामलों पर सख्त कार्रवाई की जाए और नियमित जांच अभियान चलाकर नाबालिग चालकों पर रोक लगाई जाए। साथ ही, अभिभावकों को भी जागरूक करने की जरूरत बताई जा रही है, ताकि वे अपने बच्चों को इस तरह के जोखिम भरे कार्यों से दूर रखें।

यदि समय रहते इस पर नियंत्रण नहीं किया गया, तो यह समस्या भविष्य में बड़े हादसों का कारण बन सकती है।

अजब प्रेम की गजब कहानी : दो बच्चों की मां ने युवती संग रचाई शादी, वीडियो जारी कर मांगी सामाजिक मान्यता

विंध्याचल के काल भैरव मंदिर में हुई शादी, गांव में चर्चा का विषय बना मामला

केटी न्यूज/डुमरांव

अनुमंडल क्षेत्र के बगेन थाना इलाके से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जिसने स्थानीय लोगों के बीच चर्चा का माहौल गर्म कर दिया है। यहां एक दो बच्चों की मां ने अपने ही गांव की एक युवती के साथ विवाह रचा लिया। यह अनोखी शादी विंध्याचल स्थित काली खोह के काल भैरव मंदिर में संपन्न हुई बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, संध्या देवी, जो पहले से शादीशुदा हैं और दो बच्चों की मां हैं, ने गांव की ही युवती रूबी के साथ सात फेरे लिए। इस विवाह में खास बात यह रही कि संध्या ने दुल्हन का रूप धारण किया, जबकि रूबी दूल्हे के वेश में नजर आई। रूबी, मनोज डोम उर्फ मनोज सह एवं विंध्याचली देवी की पुत्री बताई जाती है।

शादी के बाद दोनों ने विंध्याचल से ही एक वीडियो जारी कर अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया और समाज से सहयोग एवं स्वीकार्यता की अपील की। वीडियो में दोनों ने कहा कि वे एक-दूसरे से बेहद प्रेम करती हैं और साथ जीवन बिताने का निर्णय सोच-समझकर लिया है। उन्होंने यह भी कहा कि समाज उनके रिश्ते को समझे और उन्हें सुरक्षित जीवन जीने का अवसर दे।

इस घटना के सामने आने के बाद गांव और आसपास के क्षेत्रों में तरह-तरह की चचाएं हो रही हैं। कुछ लोग इसे व्यक्तिगत स्वतंत्रता का मामला बता रहे हैं, तो कुछ इसे सामाजिक परंपराओं के विपरीत मान रहे हैं।

वहीं, इस संबंध में बक्सर के विश्वामित्र अस्पताल के डायरेक्टर डॉ. राजीव कुमार झा ने अपनी राय व्यक्त करते हुए कहा कि बदलती जीवनशैली, अत्यधिक मोबाइल उपयोग और मानसिक तनाव जैसे कारणों से युवाओं में व्यवहारिक बदलाव देखने को मिल रहे हैं। उन्होंने खान-पान और मानसिक स्वास्थ्य को भी ऐसे मामलों से जोड़कर देखा।

इधर, बगेन थाना अध्यक्ष अभय प्रसाद सिंह ने बताया कि इस मामले में अब तक कोई लिखित या मौखिक शिकायत थाने में प्राप्त नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि शिकायत मिलने पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

फिलहाल यह मामला इलाके में कौतूहल और बहस का विषय बना हुआ है, जहां प्रेम, परंपरा और सामाजिक मान्यताओं के बीच एक नई चर्चा छिड़ गई है।

बिहार में 25 करोड़ की फिल्मी लूट, कस्टम अधिकारी बनकर बदमाशों ने उड़ाया 17 किलो सोना, ओवरब्रिज पर रची पूरी साजिश

एजेंसी। पटना

राजधानी पटना से एक बेहद चौंकाने वाली और फिल्मी अंदाज में अंजाम दी गई लूट की वारदात सामने आई है। दानापुर के खगौल थाना क्षेत्र में बदमाशों ने खुद को कस्टम अधिकारी बताकर स्वर्ण व्यवसायी के स्टाफ से करीब 17 किलो सोना लूट लिया। इस सोने की कीमत लगभग 25 करोड़ रुपये आंकी जा रही है। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है और पुलिस महकमा भी हरकत में आ गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, गुजरात के राजकोट निवासी महेश मामतोरा और प्रिंस रामपरिया के स्टाफ अहमदाबाद से सहरसा एक्सप्रेस ट्रेन के जरिए दानापुर पहुंचे थे। उनके पास तीन बैग थे, जिनमें बड़ी मात्रा में सोना रखा हुआ था। दानापुर जंक्शन पर उतरने के बाद उन्हें बाकरगंज स्थित केवीएस एंड सन्स तक जाना था। इसके लिए उन्होंने एक ऑटो लिया और अपने गंतव्य की ओर बढ़ने लगे। लेकिन उन्हें अंदाजा भी नहीं था कि रास्ते में उनके साथ इतनी बड़ी वारदात होने वाली है। जैसे ही ऑटो ओवरब्रिज के पास पहुंचा, अचानक एक कार और दो बाइक पर सवार बदमाशों ने उन्हें घेर लिया। बताया जा रहा है कि करीब सात अपराधी इस वारदात में शामिल थे।

25 करोड़ की लूट से मचा हड़कंप

करीब 17 किलो सोने की इस लूट की कीमत लगभग 25 करोड़ रुपये बताई जा रही है। इतनी बड़ी वारदात के सामने आने के बाद पुलिस प्रशासन में भी हड़कंप मच गया है। यह घटना इसलिए भी चौंकाने वाली है क्योंकि बदमाशों ने पूरी योजना बेहद सटीक तरीके से बनाई थी और खुद को कस्टम अधिकारी बताकर बिना किसी शक के वारदात को अंजाम दिया।

पुलिस जांच में जुटी, सीसीटीवी खंगाले जा रहे

पुलिस का कहना है कि अभी तक इस मामले में औपचारिक प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है, लेकिन जांच तेज कर दी गई है। आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि अपराधियों की पहचान की जा सके। अधिकारियों का दावा है कि जल्द ही इस पूरे मामले का खुलासा कर लिया जाएगा और इसमें शामिल सभी आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

फिल्मी स्टाइल में अंजाम दी गई वारदात

इस पूरी घटना का तरीका बिल्कुल किसी फिल्मी सीन जैसा नजर आ रहा है। जिस तरह बदमाशों ने वर्दी जैसी ड्रेस पहनकर खुद को अधिकारी बताया और योजनाबद्ध तरीके से लूट को अंजाम दिया, उसने पुलिस और आम लोगों दोनों को हैरान कर दिया है। पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि कहीं इस वारदात में किसी अंदरूनी जानकारी का इस्तेमाल तो नहीं किया गया।

सभी बदमाश खाकी पैंट और सफेद शर्ट पहने हुए थे, जिससे वे बिल्कुल कस्टम अधिकारियों की तरह नजर आ रहे थे। बदमाशों ने खुद को कस्टम विभाग का अधिकारी बताते हुए जांच के नाम पर स्टाफ को रोका। उन्होंने बेहद प्रोफेशनल अंदाज में बात करते हुए तीनों बैग अपने कब्जे में ले लिए। पीड़ित कुछ समझ पाते, उससे पहले ही अपराधी वहां से फरार हो गए।राजस्व सेवा वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाशों ने पीड़ितों को एक सुनसान जगह पर छोड़ दिया और सोना लेकर फरार हो गए। पीड़ितों को जब तक पूरी घटना की समझ आई, तब तक बहुत देर हो चुकी थी। इसके बाद उन्होंने तुरंत अपने मालिक को फोन कर पूरी जानकारी दी और फिर स्थानीय थाने जाने की बात कही गई।

मोतीहारी : छापेमारी के दौरान मदरसा से हथियार बरामद, मौलवी सहित 3 को पुलिस ने दबोचा

एजेंसी। पटना

मोतिहारी जिले में एक मदरसे में पुलिस की छापेमारी से इलाके में हड़कंप मच गया। इस दौरान मौलवी सहित 3 लोगों को हिरासत में लिया गया। छापेमारी के दौरान मौके से एक पिस्टल और जिंदा कारतूस बरामद किया गया। मौके पर डॉग स्क्वायड और एफएसल की टीम को भी बुलाया गया। फिलहाल पुलिस मदरसा में लगे सीसीटीवी को खंगालने में लगी है। जिस मदरसा में छापेमारी हुई वो चकिया थाना क्षेत्र के गवंदरा इस्लामिया मदरसा है। हिरासत में लिए गये तीनों व्यक्ति से पुलिस पूछताछ कर रही है। वही मदरसा में लगे कैमरे को भी खंगाला जा रहा है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। मदरसा से धड़े गये तीनों लोगों में एक केयर टेकर है दूसरा मौलाना और तीसरा सफाई कर्मी है। ये तीनों लोग कई महीने से मदरसा में रह रहे हैं। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि मौके से पकड़े गये इन तीनों का कनेक्शन पीएफआई से तो नहीं है, क्योंकि हथियार की खरीद बिक्री की सूचना पर पुलिस ने आज छापेमारी की। मामले की जांच के लिए पुलिस की एसआईटी टीम का गठन किया गया है। मदरसा की तलाशी के दौरान मिले एक पिस्टल, जिंदा कारतूस और कुछ दस्तावेजों को पुलिस ने जब्त कर लिया है। फिलहाल पूरे मामले की छानबीन की जा रही है। बता दें कि आज जिस मदरसा में छापेमारी की गयी यह वही मदरसा है जहां से पहले पीएफआई का मुख्य सरगना याकूब उर्फ उस्मान उर्फ सुल्तान को अळर और चकिया पुलिस की टीम ने संयुक्त कार्रवाई कर गिरफ्तार किया था।

काम में लापरवाही की मिली सजा: बेनीबाद के अपर थानाध्यक्ष को मुजफ्फरपुर एसएसपी ने किया सस्पेंड

एजेंसी। पटना

मुजफ्फरपुर जिले में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने और अपराधियों की धर-पकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियानों के बीच, वरीय पुलिस अधीक्षक (रस्ढ) कांतेश कुमार मिश्रा ने बड़ी अनुशासनिक कार्रवाई की है। एसएसपी ने बेनीबाद थाना के अपर थानाध्यक्ष, पु०अ०नि० दीपक कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। उन पर यह कार्रवाई कर्तव्य के प्रति लापरवाही, अनुशासनहीनता और वरीय अधिकारियों के आदेशों की अवहेलना के गंभीर आरोपों के बाद की गई है। मुजफ्फरपुर पुलिस द्वारा 30 और 31 मार्च 2026 को फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए एक 'विशेष समकालीन अभियान' चलाया गया था। इस अभियान के दौरान अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (रउ्ढड), पूर्वी-01 द्वारा किए गए निरीक्षण में अपर थानाध्यक्ष दीपक कुमार की कई खामियां उजागर हुईं। एसएसपी कार्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार, दीपक कुमार न केवल अभियान के दौरान ड्यूटी से गायब पाए गए, बल्कि उन्होंने सरकारी संचार माध्यमों (जैसे वायरलेस या फोन) से भी संपर्क नहीं रखा। रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि वे महत्वपूर्ण सूचनाओं के आदान-प्रदान में सहयोग नहीं कर रहे थे और कांडों के अनुसंधान (ल्लप्ी२३ॅ३ङ्गल्ल) व गिरफ्तारी की प्रक्रिया में अत्यधिक शिथिलता बरत रहे थे। थाना अभिलेखों के संधारण में भी कई अनियमितताएं पाई गईं, जिससे पुलिस की कार्यप्रणाली और विभागीय अनुशासन पर बुरा असर पड़ रहा था। निलंबन और विभागीय कार्रवाई: रउ्ढड की रिपोर्ट के आधार पर, रस्ढ कांतेश कुमार मिश्रा ने पु०अ०नि० दीपक कुमार को सामान्य जीवन-यापन भत्ता पर निलंबित कर दिया है। पुलिस विभाग के इस कड़े रुख से महकमे में हड़कंप मच गया है। एसएसपी ने स्पष्ट संदेश दिया है कि ड्यूटी में किसी भी तरह की कोताही, लापरवाही या अनुशासनहीनता को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बक्सर में एलपीजी आपूर्ति व्यवस्था पर सख्ती कालाबाजारी करने वालों पर होगी कार्रवाई

- **25, 45 दिन के अंतराल पर ही बुकिंग की अनुमति, 738 शिकायतों में 656 का निपटारा**

केटी न्यूज/बक्सर

प्रभारी जिलाधिकारी निहारिका छवि की अध्यक्षता में शनिवार को समाहरणालय परिसर स्थित कार्यालय कक्ष में रसोई गैस (एलपीजी) आपूर्ति और वितरण व्यवस्था को लेकर प्रेस वार्ता आयोजित की गई। इस दौरान जिले में गैस वितरण की स्थिति, मांग और आपूर्ति के बीच अंतर तथा उपभोक्ताओं की समस्याओं पर विस्तार से जानकारी दी गई। प्रभारी जिलाधिकारी ने बताया कि जिले में इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कंपनियों के अंतर्गत कुल 27 गैस एजेंसियां कार्यरत हैं। 13 मार्च से 4 अप्रैल तक 1 लाख 8 हजार गैस सिलेंडरों का वितरण उपभोक्ताओं के बीच किया गया है, जबकि 4 अप्रैल तक एजेंसियों के पास 3895 सिलेंडर का भंडार उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि जिले में प्रतिदिन औसतन 6419 सिलेंडरों की मांग है, जबकि प्रतिदिन औसतन 5772 सिलेंडरों की पुनर्भरण आपूर्ति हो रही है। वर्तमान में कुल 26707 बुकिंग लंबित हैं, जिससे लगभग 4.6 दिनों का बैकलॉग बना हुआ है। गैस वितरण व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाए रखने के लिए प्रशासन ने बुकिंग को लेकर स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं। शहरी क्षेत्रों में घरेलू उपभोक्ताओं को अंतिम सिलेंडर की डिलीवरी के 25 दिनों बाद ही नया सिलेंडर बुक करने की अनुमति है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह अवधि 45 दिन निर्धारित की गई है। प्रशासन द्वारा लगातार निगरानी भी की जा रही है। वरीय पदाधिकारियों, अनुमंडल पदाधिकारियों और आपूर्ति विभाग के अधिकारियों द्वारा गैस एजेंसियों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है। 3 और 4 अप्रैल को कुल 56 एजेंसियों और अन्य प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया गया। कालाबाजारी और जमाखोरी में संलिप्त लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

आम उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए जिला नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। गैस आपूर्ति से जुड़ी किसी भी समस्या के लिए उपभोक्ता दूरभाष संख्या 06183-223333 पर संपर्क कर सकते हैं। 4 अप्रैल तक नियंत्रण कक्ष में कुल 738 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें से 656 का त्वरित निपटारा कर दिया गया है, जबकि शेष शिकायतों पर कार्रवाई जारी है।

प्रेस वार्ता में यह भी बताया गया कि बक्सर जिले में कुल 3,50,545 घरेलू एलपीजी कनेक्शन हैं। वहीं, व्यावसायिक गैस कनेक्शन की संख्या बक्सर अनुमंडल में 1273 और डुमरांव अनुमंडल में 960 है। प्रशासन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि एलपीजी, अन्य पेट्रोलियम पदार्थों और आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता को लेकर किसी भी प्रकार की भ्रामक या अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए सोशल मीडिया पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि निर्धारित प्रक्रिया के तहत तय अंतराल पर घर-घर आपूर्ति प्रणाली के माध्यम से ही गैस सिलेंडरों की डिलीवरी सुनिश्चित की जा रही है, ताकि उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

एक नजर

आरा में पैसे के विवाद में दोस्त ने दोस्त को मारी गोली, युवक की हालत गंभीर

आरा। भोजपुर जिले के बिहिया थाना क्षेत्र के साहब टोला मोहल्ले में पैसे के विवाद को लेकर एक युवक ने अपने ही दोस्त को गोली मार दी। इस घटना में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार घायल युवक साहब टोला मोहल्ला निवासी स्वर्गीय शिवजी साह का 25 वर्षीय पुत्र महेश कुमार है। उसे दाहिने पैर की जांघ में गोली लगी है। घटना के बाद परिजनों द्वारा उसे आनन-फानन में इलाज के लिए बिहिया पीएचसी ले जाया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है। इधर, घटना की सूचना मिलते ही बिहिया थानाध्यक्ष सुदेश्वर कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी। रविवार की सुबह एफएसएल टीम को भी घटनास्थल पर बुलाया गया, जहां टीम ने पहुंचकर साक्ष्य एकत्र किए। इस घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है।

बड़े भाई की हत्या का बदला लेने के लिए खुद पर चलवाई गोली, 3 घंटे में पुलिस ने किया खुलासा

सीतामढ़ी। सीतामढ़ी जिले से एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसने इलाके में सनसनी फैला दी है। डुमरा थाना क्षेत्र के बाजितपुर में हुई गोलीबारी की घटना का पुलिस ने ऐसा खुलासा किया है, जिसे सुनकर हर कोई हैरान है। मिली जानकारी के अनुसार, भैरोकोठी निवासी सुंदरम ने अपने बड़े भाई की हत्या का बदला लेने के लिए खुद पर ही गोली चलवाने की साजिश रच डाली। उसने अपने दो दोस्तों मोहम्मद सद्दू और रुद्र प्रताप के साथ मिलकर अपने ही घर में पैर में गोली मारी और पूरे मामले को असली हमले का रूप देने की कोशिश की। घटना के बाद जब पुलिस टीम मौके पर पहुंची, तो दीवारों पर गोली के निशान और जमीन पर खून के धब्बे मिले। हालांकि गहन जांच के बाद पूरा मामला संदिग्ध लगा और पुलिस ने सख्ती से पूछताछ शुरू की। जांच में खुलासा हुआ कि सुंदरम का मकसद अपने भाई की हत्या में आरोपी जितेश झा को जेल से बाहर निकलने से रोकना था। इसी वजह से उसने खुद पर हमले की झूठी कहानी रची, ताकि केस को और मजबूत बनाया जा सके। सीतामढ़ी एसपी अमित रंजन के निर्देश पर सदर डीएसपी राजीव कुमार सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने महज 3 घंटे के भीतर पूरे मामले का पदार्फाश कर दिया। पुलिस ने सुंदरम के घर से एक पिस्तौल, दो मैगजीन और एक खोखा भी बरामद किया है। फिलहाल पुलिस ने मामले में शामिल सभी आरोपियों को हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। इस घटना ने यह साफ कर दिया है कि बदले की आग इंसान को किस हद तक ले जा सकती है।

सहरसा में फिल्मी स्टाइल से लूट: ओवरटेक कर व्यापारी को मारी गोली, 38 हजार रुपये लूटे

सहरसा । सहरसा जिले में अपराधियों के हौसले बुलंद नजर आ रहे हैं। रविवार को बैजनाथपुर थाना क्षेत्र के सपहा गांव के पास तीन नकाबपोश बदमाशों ने एक मवेशी व्यापारी को गोली मारकर 38,500 रुपये लूट लिए और फरार हो गए।घायल की पहचान सहरसा नगर निगम के वार्ड संख्या 38 निवासी 55 वर्षीय मो. इसराइल के रूप में हुई है, जो खस्सी-बकरी के कारोबार से जुड़े हैं। घटना के बाद उन्हें तुरंत इलाज के लिए बुद्ध मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है।जानकारी के अनुसार, मो. इसराइल अपने बेटे मोहम्मद मोईउद्दीन के साथ बाइक से मधेपुरा जिले के बरसम इलाके में बकरी खरीदने जा रहे थे। इसी दौरान सपहा गांव के पास दूसरी बाइक पर सवार तीन अपराधियों ने उन्हें ओवरटेक कर रोक लिया।बदमाशों ने फायरिंग कर बाइक रुकवाई और पैसे छीनने लगे। विरोध करने पर अपराधियों ने इसराइल की बांह में गोली मार दी, जो आर-पार हो गई। इसके बाद वे 38,500 रुपये लूटकर मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। सहरसा सदर एसडीपीओ आलोक कुमार ने बताया कि एफएसएल टीम को जांच के लिए बुलाया गया है और वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पुलिस अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

मुंगेर में ठगी की वारदात: खुद को क्राइम ब्रांच बता ठग ने उड़ा लिए लाखों के जेवर

मुंगेर। मुंगेर में ठगी की एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है, जहां एक शातिर बदमाश ने खुद को क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताकर लाखों के जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। हैरानी की बात ये है कि पूरी वारदात इतनी सफाई से अंजाम दी गई कि पीड़ित को भनक तक नहीं लगी। मुंगेर के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित आजाद चौक रविवार दोपहर का वक्त और एक ऐसा शातिर ठग, जिसने कुछ ही मिनटों में एक कारोबारी को लाखों का चूना लगा दिया। पीड़ित बच्चु पाहुजा, जो हैप्पी बेकरी के पार्टनर हैं, बाजार से घर लौट रहे थे। तभी एक युवक ने उन्हें रोक लिया। उसने खुद को क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताया और रौब दिखाते हुए कहा कि इतने गहने पहनकर चलना सुरक्षित नहीं है। ठग ने अपनी बातों में ऐसा भरोसा और डर पैदा किया कि पीड़ित उसके झांसे में आ गए। उसने सख्ती दिखाते हुए तुरंत चेन और अंगूठी उतरवाए और ह्लसुरक्षाह्व के नाम पर उन्हें कागज में रखने को कहा। लेकिन यहीं से शुरू हुआ असली खेल रुमाल में गहने बांधने के दौरान आरोपी ने बड़ी ही सफाई से असली जेवरात की जगह पत्थर रख दिए और पलक झपकते ही पोटली बदल दी। पूरी घटना इतनी तेजी से हुई कि बच्चु पाहुजा को कुछ समझ ही नहीं आया। ठग ने उन्हें भरोसा दिलाया कि घर जाकर गहने सुरक्षित रख लें और मौके से फरार हो गया। पीड़ित ने बताया कि जब वह घर पहुंचे और पोटली खोली तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। अंदर सोने के गहनों की जगह सिर्फ पत्थर थे। तब तक ठग काफी दूर निकल चुका था। घटना के बाद पीड़ित के द्वारा कोतवाली थाना में शिकायत दर्ज कराई गई है।

दरभंगा एयरपोर्ट से बेंगलुरु की सीधी उड़ान शुरू, शिक्षा-रोजगार के खुलेंगे नए द्वार

एजेंसी। दरभंगा

दरभंगा एयरपोर्ट से आज से अकासा एयर ने दरभंगा से बेंगलुरु के लिए सीधी उड़ान सेवा शुरू कर दी है। लंबे इंतजार के बाद शुरू हुई इस नई सेवा का शुभारंभ स्थानीय सांसद गोपाल जी ठाकुर ने पहले यात्री को टिकट देकर किया। इस नई उड़ान सेवा के शुरू होने से दरभंगा और मिथिलांचल के लोगों में खुशी का माहौल है। अब यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी और समय की भी बचत होगी। लंबे समय से दरभंगा और बेंगलुरु के बीच सीधी उड़ान की मांग की जा रही थी। सेवा शुरू होने के बाद व्यापार, शिक्षा और रोजगार के नए अवसर बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है। सांसद गोपाल जी ठाकुर ने कहा कि यह पूरे मिथिलांचल और बिहार के लिए गर्व का विषय है। इस सुविधा से क्षेत्र के लोगों को आवागमन में बड़ी सहूलियत मिलेगी और आने वाले समय में इसका व्यापक लाभ मिलेगा। इस मौके पर सांसद गोपाल जी ठाकुर और विधायक संजय सरावगी ने वीडियो संदेश जारी कर खुशी जाहिर की। दोनों नेताओं ने अकासा एयरलाइंस को इस पहल के लिए बधाई दी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच की सराहना की। सांसद गोपाल जी ठाकुर ने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब दरभंगा हवाई अड्डा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के रूप में विकसित होकर देश-दुनिया में पहचान बनाएगा। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री द्वारा 912 करोड़ रुपये की लागत से दरभंगा हवाई अड्डे के विकास का शिलान्यास किया गया था।

बिहार में विकास कार्यों में सुस्ती पर प्रधान सचिव ने अफसरों को हड़काया, कहा-

काम में देरी करने वाले अव्वल दर्जे के चोर

एजेंसी। पटना

बिहार में विकास कार्यों में सुस्ती और लापरवाही पर सख्त रुख अपनाते हुए नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव विनय कुमार ने अफसरों और इंजीनियरों को कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जो अधिकारी तय समय सीमा के भीतर काम पूरा नहीं करते, वे ईमानदार नहीं बल्कि अव्वल दर्जे के चोर हैं। बुडको की कार्यशाला के उद्घाटन के दौरान उन्होंने कहा कि यदि किसी प्रोजेक्ट में अफसरों या इंजीनियरों की लापरवाही के कारण देरी होती है और लागत बढ़ती है, तो उस

अतिरिक्त राशि की वसूली सीधे संबंधित अधिकारी की जेब से की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि जो फाइल 10 मिनट में निपटनी चाहिए, उस पर 10 दिन बैठना भ्रष्टाचार का स्पष्ट संकेत है। विनय कुमार ने कहा कि काम में सुस्ती कोई महात्मा होने की निशानी नहीं है, बल्कि इसके पीछे अक्सर रिश्वतखोरी या लापरवाही होती है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब किसी परियोजना की समय सीमा 12 महीने है तो उसे 15 महीने क्यों लगते हैं। देरी का असर सीधे प्रोजेक्ट की लागत और गुणवत्ता पर पड़ता है, जिससे ठेकेदार मजबूरी में घटिया सामग्री का उपयोग करता है और इसका खामियाजा जनता को भुगतना पड़ता है। प्रधान सचिव ने तकनीकी खामियों पर भी नाराजगी जताई। लखीसराय के एक प्रोजेक्ट का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि डीपीआर और बिड डॉक्यूमेंट बनाने और मंजूरी देने वालों ने सामान्य समझ का भी इस्तेमाल नहीं किया। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी इंजीनियर डीपीआर और बिड डॉक्यूमेंट का गहराई से अध्ययन करें, ताकि तकनीकी गलतियों से बचा जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब केवल बहानेबाजी से काम नहीं चलेगा। प्रोजेक्ट में देरी के लिए नीचे से लेकर ऊपर तक के अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। बुडको के इंजीनियरों को निर्देश दिया गया कि वे साइट पर जाकर काम की गुणवत्ता और गति की निगरानी करें, न कि केवल फाइलों में काम पूरा दिखाएं। प्रधान सचिव विनय कुमार ने कहा कि आने वाले 30-40 साल बुडको जैसे संस्थानों के लिए बेहद महत्वपूर्ण होंगे। बढ़ती आबादी और जमीन की कमी को देखते हुए अब अंडरग्राउंड इंफ्रास्ट्रक्चर और टनल निर्माण पर काम करना होगा। बुडको के प्रबंध निदेशक अनिमेष कुमार पराशर ने बताया कि निर्माण कार्यों में पारदर्शिता लाने के लिए इन-हाउस लैब भी बनाई जाएगी। पटना में आयोजित इस तीन दिवसीय कार्यशाला में राज्य के सभी 38 जिलों के अधिकारी अपनी योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट पेश कर रहे हैं। प्रदर्शन के आधार पर जिलों की रैंकिंग की जाएगी और बेहतर काम करने वाले अधिकारियों को सम्मानित किया जाएगा।

इस्तीफे से पहले बड़ा दांव! दिल्ली में 9 अप्रैल को सीएम नीतीश कुमार की हाई लेवल मीटिंग

एजेंसी। पटना

बिहार की राजनीति में हलचल तेज है। नीतीश कुमार के संभावित इस्तीफे से पहले जदयू ने 9 अप्रैल को दिल्ली में अहम बैठक बुलाई है, जिसमें नई सरकार गठन पर चर्चा होगी। बिहार की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। नीतीश कुमार के संभावित इस्तीफे और राज्यसभा में शपथ से पहले जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने 9 अप्रैल को दिल्ली में एक अहम बैठक बुलाने का फैसला किया है। यह बैठक कई मायनों में बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि इसमें बिहार की वर्तमान राजनीतिक स्थिति और नई सरकार के गठन को लेकर गहन चर्चा होने की संभावना है।सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, जदयू की यह बड़ी बैठक 9 अप्रैल को दिल्ली में मुख्यमंत्री के आवास पर आयोजित की जाएगी। इस बैठक में पार्टी के तमाम वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। खुद नीतीश कुमार इसमें मौजूद रहेंगे और आगे की राजनीतिक रणनीति पर चर्चा का नेतृत्व करेंगे। बैठक ऐसे समय पर बुलाई गई है जब उनके इस्तीफे की अटकलें तेज हैं और राज्यसभा में उनकी शपथ को लेकर भी राजनीतिक हलकों में चचाएं जारी हैं। सूत्रों के मुताबिक, इस बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा, केंद्रीय मंत्री राजीव रंजप सिंह सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहेंगे। बैठक का मुख्य एजेंडा बिहार में संभावित राजनीतिक बदलाव, नई सरकार के गठन की रूपरेखा और संगठनात्मक मजबूती को लेकर रणनीति तय करना होगा। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह बैठक केवल एक औपचारिक बैठक नहीं, बल्कि जदयू के भविष्य की दिशा तय करने वाली अहम कड़ी साबित हो सकती है। खासकर ऐसे समय में जब नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे की चर्चा जोरों पर है, इस बैठक के फैसलों पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं। बताया जा रहा है कि नीतीश कुमार 9 अप्रैल को ही दिल्ली पहुंचेंगे और उसी दिन यह अहम बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक के दौरान बिहार में नई सरकार के गठन को लेकर संभावित विकल्पों पर चर्चा की जाएगी। इसके साथ ही यह भी तय किया जा सकता है कि मुख्यमंत्री पद के लिए पार्टी की अगली रणनीति क्या होगी और किन चेहरों को आगे बढ़ाया जा सकता है। इस बैठक को इसलिए भी खास माना जा रहा है क्योंकि यह नीतीश कुमार के इस्तीफे से ठीक पहले हो रही है। ऐसे में यह साफ है कि जदयू कोई भी कदम उठाने से पहले पूरी तैयारी और सामूहिक सहमति बनाना चाहती है। पार्टी नेतृत्व यह सुनिश्चित करना चाहता है कि सत्ता परिवर्तन की स्थिति में संगठन मजबूत बना रहे और राजनीतिक संतुलन कायम रहे। वहीं, बिहार की मौजूदा राजनीतिक स्थिति भी काफी संवेदनशील बनी हुई है। गठबंधन की राजनीति, सहयोगी दलों के रुख और विपक्ष की रणनीति को देखते हुए जदयू के लिए हर कदम बेहद सोच-समझकर उठाना जरूरी हो गया है। ऐसे में 9 अप्रैल की यह बैठक पार्टी के लिए निर्णायक साबित हो सकती है। कुल मिलाकर, जदयू की यह दिल्ली बैठक बिहार की राजनीति में बड़े बदलाव का संकेत दे रही है। अब देखना होगा कि इस बैठक के बाद क्या फैसले निकलकर सामने आते हैं और क्या वाकई नीतीश कुमार के नेतृत्व में कोई बड़ा राजनीतिक बदलाव देखने को मिलता है या नहीं। फिलहाल पूरे घटनाक्रम पर राजनीतिक गलियारों की नजरें टिकी हुई हैं।

पटना में महिलाओं ने शुरू किया सत्याग्रह कहा सीएम नीतीश नहीं तो निशांत चाहिए.. दूसरा मंजूर नहीं..

एजेंसी। पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आगामी 10 अप्रैल को राज्यसभा सांसद के तौर पर शपथ लेंगे। राज्यसभा की सदस्यता ग्रहण करने का बाद वह मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ देंगे। ऐसे में एनडीए में नए मुख्यमंत्री की तलाश तेज है। इसी बीच सीएम नीतीश कुमार के बेटे निशांत को मुख्यमंत्री बनाने की मांग को लेकर महिलाओं ने सत्याग्रह शुरू कर दिया है। गांधी मैदान में बापू की मुर्ति के नीचे सत्याग्रह पर बैठी महिलाओं का कहना है कि हमें अगला मुख्यमंत्री नीतीश नहीं तो निशांत चाहिए। पटना के गांधी मैदान में बापू की मुर्ति के नीचे सत्याग्रह पर बैठी सुधार वाहिनी की राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रतिभा सिंह का कहना है कि नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री नहीं रहने से हमलोग व्यथित हैं। नीतीश कुमार अगर अपने बेटे निशांत कुमार को बिहार का अगला मुख्यमंत्री बनाते हैं तो हमारी पीड़ा थोड़ी कम जरूर हो जाएगी। उन्होंने कहा कि निशांत के मुख्यमंत्री बनने से एक भरोसा

कायम होगा कि जिस तरह से नीतीश कुमार ने रक्षक बनकर महिलाओं की रक्षा की है, हमारे लिए काम किया है और हमें आत्मनिर्भर बनाया है तो उनके बेटे निशांत कुमार जो सादगी के प्रतीक हैं, उनको लेकर हमें भरोसा है कि अगर वह मुख्यमंत्री बनते हैं तो वह अपने पिता के पदचिन्हों पर चलेंगे। महिलाओं ने कहा कि जिस तरह से उनके पिता नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री रहते महिलाओं के लिए जो काम किया है, निशांत उस, काम को आगे बढ़ाएंगे। जिस तरह से नीतीश कुमार एनडीए के नेता हैं उसी तरह से अगर निशांत सीएम बनते हैं तो वह भी एनडीए के नेता होंगे। उनका कहना था कि बीजेपी से कौन मुख्यमंत्री बन रहा है इससे हमें कोई मतलब नहीं है बल्कि हमें तो हमारा रक्षक चाहिए। जो महिलाओं के लिए काम करे, हमें वैसा नेता बिहार में चाहिए। निशांत को छोड़कर किसी और पर भरोसा करना हम महिलाओं के बस की बात नहीं है।

बिहार में गर्मी बढ़ने के साथ बढ़ीं अगलगी की घटनाएं, अग्निशमन विभाग ने कसी कमर

एजेंसी। पटना

मुजफ्फरपुर जिला अग्निशमन विभाग ने शहर और ग्रामीण इलाकों में बढ़ती आगजनी की घटनाओं को देखते हुए अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। बढ़ते तापमान और पछुआ हवाओं के बीच आग लगने की बढ़ती आशंकाओं के मद्देनजर विभाग अब पूरी तरह 'अलर्ट मोड' में है। इसी कड़ी में रविवार को जिला अग्निशमन कार्यालय में एक महत्वपूर्ण प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को आग से बचाव के प्रति जागरूक करना और सुरक्षा मानकों की जानकारी देना था। लापरवाही बन रही है बड़ी घटनाओं का कारणः प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए जिला अग्निशमन पदाधिकारी मोहम्मद आमिर ने कहा कि जिले में हाल के दिनों में हुई अधिकांश आगजनी की घटनाओं के पीछे मानवीय लापरवाही एक प्रमुख कारण रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर लोग अपनी दैनिक दिनचर्या में थोड़ी सी सावधानी बरतें,

तो जान-माल के भारी नुकसान को टाला जा सकता है। उन्होंने कहा, "आग लगने के बाद उसे बुझाने से कहीं बेहतर है कि हम ऐसी परिस्थितियां ही न बनने दें जिससे आग लगे। अग्निशमन पदाधिकारी ने बताया कि सबसे ज्यादा घटनाएं रसोई गैस और शॉर्ट सर्किट के कारण होती हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि भोजन बनाने के बाद रेगुलेटर को अनिवार्य रूप से बंद करें और समय-समय पर गैस पाइप की जांच कराते रहें। इसके अलावा, गर्मियों के मौसम में बिजली के उपकरणों पर लोड बढ़ जाता है, जिससे तार गर्म होकर शॉर्ट सर्किट का कारण बनते हैं। पुराने और जर्जर तारों को तुरंत बदलने तथा गुणवत्तापूर्ण बिजली उपकरणों का उपयोग करने की सलाह दी गई है। विभाग ने इस बात पर जोर दिया कि केवल व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में ही नहीं, बल्कि अब हर घर में छोटे फायर एक्सटिंग्विशर (अग्निशमन यंत्र) का होना अनिवार्य है। मोहम्मद आमिर ने कहा कि आग लगने के शुरूआती 5 से 10 मिनट 'गोल्डन टाइम' होते हैं। यदि घर में अग्निशमन यंत्र हो, तो आग को विकराल रूप लेने से पहले ही नियंत्रित किया जा सकता है। इसके साथ ही, ज्वलनशील पदार्थों जैसे केरोसिन, पेट्रोल या सूखे कचरे को रिहाइशी इलाकों से दूर रखने और बच्चों की पहुंच से माचिस व लाइटर दूर रखने की हिदायत दी गई।

एक नजर

मुजफ्फरपुर में कुख्यात मास्टर भैरव त्रिपाठी गिरफ्तार, हथियार बेचते रंगे हाथ पुलिस ने दबोचा

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर जिले की पुलिस को अपराध नियंत्रण की दिशा में एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। ब्रह्मपुरा थाना पुलिस ने राहुल नगर रोड नंबर एक में छापेमारी कर उत्तर बिहार के कुख्यात अपराधी भैरव त्रिपाठी, जिसे अपराध जगत में 'मास्टर' के नाम से जाना जाता है, को हथियार की खरीद-बिक्री करते हुए रंगे हाथ दबोच लिया है। पुलिस ने यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की है। गुप्त सूचना पर हुई घेराबंदीः सिटी एसपी मोहिबुल्ला अंसारी ने प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि राहुल नगर इलाके में हथियारों का अवैध सौदा होने वाला है। इस सूचना की गंभीरता को देखते हुए ब्रह्मपुरा थानाध्यक्ष विपिन रंजन के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने जब चिह्नित स्थान पर छापेमारी की, तो वहां भगदड़ मच गई। अपराधी भैरव त्रिपाठी ने पुलिस को देखते ही भागने की कोशिश की, लेकिन मुस्तैद जवानों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर उसे हथियार के साथ धर दबोचा। 2012 से अपराध की दुनिया का चर्चित चेहराः पूछताछ में यह खुलासा हुआ कि गिरफ्तार अपराधी भैरव त्रिपाठी वर्ष 2012 से ही अपराध की दुनिया में सक्रिय है। वह शातिर दिमाग होने के कारण अपराधियों के बीच 'मास्टर' के नाम से प्रख्यात है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, उस पर हत्या, लूट और आर्म्स एक्ट जैसे आधा दर्जन से अधिक गंभीर मामले दर्ज हैं। वह लंबे समय से छोटे-मोटे अपराधी गिरोहों को अवैध हथियारों की सप्लाई करने का काम कर रहा था। पुलिस इसे हथियार सिंडिकेट का एक अहम हिस्सा मान रही है।

पटना में बनेगा बिहार का पहला एलपीजी शवदाह गृह, हाईटेक और प्रदूषण मुक्त होगा अंतिम संस्कार

पटना। राजधानी पटना में अब अंतिम संस्कार की प्रक्रिया और भी आधुनिक और प्रदूषण मुक्त होने वाली है। दीघा घाट पर बिहार का पहला एलपीजी शवदाह गृह बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। इसके लिए पटना नगर निगम और ईशा फाउंडेशन के बीच बड़ा समझौता हुआ है। खास बात यह है कि पटना नगर निगम ने 2.11 एकड़ भूमि 33 वर्षों के लिए मात्र 1 रुपये पर 'ईशा आउटरीच' को लीज पर दी है। यानी संस्था को जमीन के लिए कोई भारी-भरकम किराया नहीं देना होगा। वर्तमान में दीघा घाट पर लकड़ी से अंतिम संस्कार किया जाता है, जिससे बड़ी मात्रा में पेड़ों की कटाई होती है और अंतिम संस्कार के समय काफी धुआं निकलता है, जिससे गंगा का पानी भी गंदा होता है। नया गैस आधारित प्लांट लगने से न केवल प्रदूषण कम होगा, बल्कि पेड़ों की कटाई भी रुकेगी। यह सिस्टम पूरी तरह से साफ-सुथरा और आधुनिक होगा। जो लोग परंपरा के अनुसार लकड़ी से अंतिम संस्कार करना चाहते हैं, उनके लिए अलग से इंतजाम रहेगा। वहीं, गैस आधारित विकल्प उन लोगों के लिए सबसे बेहतर होगा जो पर्यावरण की सुरक्षा चाहते हैं और कम समय में सलीके से अंतिम विदाई देना चाहते हैं। एलपीजी शवदाह गृह बनने के बाद भी लकड़ी से अंतिम संस्कार की सुविधा जारी रहेगी।

बिहार में 7 माह की गर्भवती महिला की संदिग्ध मौत: फंदे से लटका मिला शव

गोपालगंज । बिहार के गोपालगंज जिले के कटेया थाना क्षेत्र के अमेया गांव में शनिवार सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई, जब एक 23 वर्षीय विवाहिता का शव घर के अंदर साड़ी के फंदे से लटका मिला। घटना की खबर फैलते ही गांव में लोगों की भीड़ जुट गई। मृतका की पहचान मुन्नी कुमारी के रूप में हुई है, जो अमेया गांव निवासी रोहित तिवारी की पत्नी थी। बताया जा रहा है कि दोनों ने करीब एक साल पहले प्रेम विवाह किया था, जो अंतरजातीय था। शादी के बाद से मुन्नी कुमारी अपने ससुराल में ही रह रही थी। खास बात यह है कि वह सात माह की गर्भवती थी, जिससे यह घटना और भी ज्यादा संवेदनशील बन गई है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, शनिवार सुबह जब घर के अंदर हलचल नहीं हुई, तो परिजनों को शक हुआ। जब दरवाजा खोला गया तो मुन्नी कुमारी का शव साड़ी के फंदे से लटका हुआ पाया गया। यह दृश्य देखते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए। घटना के समय उसका पति रोहित तिवारी घर पर मौजूद नहीं था। वह जम्मू में एक निजी कंपनी में काम करता है और वहीं से परिवार का भरण-पोषण करता है। ऐसे में घटना के पीछे की परिस्थितियों को लेकर कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं, जिनका जवाब अभी स्पष्ट नहीं हो सका है।

समस्तीपुर में साइबर ठगों का बड़ा खेल डीएसपी का नंबर हैक कर मांगे पैसे

समस्तीपुर। समस्तीपुर में साइबर अपराधियों के हौसले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। अब उन्होंने आम लोगों के साथ-साथ पुलिस अधिकारियों को भी निशाना बनाना शुरू कर दिया है। ठगों ने दलसिंहसराय के डीएसपी विवेक कुमार शर्मा का सरकारी नंबर हैक कर लिया। हैक किए गए नंबर के जरिए व्हाट्सएप पर लोगों को मैसेज भेजकर पैसे की मांग की जा रही है। जैसे ही डीएसपी के नाम पर पैसे मांगे जाने की चर्चा इलाके में फैली, पुलिस को इसकी जानकारी मिली। इसके बाद साइबर थाने में मामला दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए प्रयास तेज कर दिए गए हैं। साइबर अपराधी डीएसपी बनकर उनके परिचितों, स्थानीय व्यवसायियों और अन्य लोगों को मैसेज भेज रहे हैं। वे इमरजेंसी का बहाना बनाकर ऑनलाइन पैसे ट्रांसफर करने का दबाव बना रहे हैं। कुछ लोगों को क्यूआर कोड भी भेजा गया, ताकि वे आसानी से पैसे ट्रांसफर कर सकें। हालांकि कई लोगों ने सतर्कता दिखाते हुए पैसे भेजने से इनकार किया और तुरंत पुलिस को सूचना दी।मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस सक्रिय हो गई और साइबर सेल को जांच में लगा दिया गया है। नंबर की तकनीकी जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में सिम क्लोनिंग या सोशल इंजीनियरिंग के जरिए नंबर के दुरुपयोग की आशंका जताई जा रही है।

अतिक्रमण मुक्त होंगी बेतिया राज की जमीनें 250 से अधिक मकानों पर जल्द चलेगा बुलडोजर

एजेंसी। पटना

बेतिया के आईटीआई मोहल्ले में बेतिया राज की जमीन पर बने 250 से अधिक अतिक्रमित मकानों पर जल्द बुलडोजर चल सकता है। प्रशासन ने मापी शुरू कर दी है और नोटिस देने की तैयारी में है। बेतिया के आईटीआई मोहल्ले में बेतिया राज की जमीन पर अतिक्रमण कर घर बनाने वालों के लिए बड़ी कार्रवाई की तैयारी शुरू हो गई है। राज प्रशासन ने जमीन की मापी शुरू कर दी है और जल्द ही अतिक्रमित मकानों पर बुलडोजर चलाया जाएगा। पिछले चार दिनों से चल रही मापी के लिए अमीनों की छह अलग-अलग टीमों का गठन किया गया है, जो आरओ की निगरानी में जमीन की पैमाइश कर रही हैं। अब तक करीब ढाई सौ अतिक्रमित मकानों को चिन्हित किया जा चुका है। सूत्रों के अनुसार, चिन्हित अतिक्रमणकारियों को पहले नोटिस दिया जाएगा। यदि इसके बाद भी जमीन खाली नहीं की गई, तो संबंधित मकानों को ध्वस्त कर दिया जाएगा। आईटीआई मोहल्ले के बाद आसपास के इलाकों, जैसे लालू नगर आदि में भी मापी कर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी। बताया जा रहा है कि इस क्षेत्र में बेतिया राज की काफी जमीन पर कब्जा कर बड़े-बड़े मकान बना लिए गए हैं। कई जगह अब भी खाली जमीन मौजूद है, जहां बेतिया राज का बोर्ड लगाया जाएगा, जिसमें अतिक्रमण को दंडनीय अपराध बताया जाएगा। चौंकाने वाली बात यह है कि अतिक्रमण करने वालों में जिले की कई नामी हस्तियां, सेवानिवृत्त अधिकारी और जनप्रतिनिधि भी शामिल बताए जा रहे हैं। पहले भी कुछ इलाकों से अतिक्रमण हटाया गया था, लेकिन निगरानी के अभाव में दोबारा कब्जा हो गया। इस पूरे मामले में एक बड़ा सवाल यह भी उठ रहा है कि जब यह मोहल्ला अतिक्रमण कर बसाया गया, तो यहां पीसीसी सड़क, पानी और बिजली जैसी सरकारी सुविधाएं कैसे उपलब्ध कराई गईं। लोगों का आरोप है कि कब्जाधारियों ने विभागीय मिलीभगत से न केवल जमीन पर कब्जा किया, बल्कि सरकारी योजनाओं का लाभ भी उठा लिया।

बिहार में 4 दिन का तूफानी अलर्ट! आंधी-बारिश से मचेगा मौसम का कहर

एजेंसी। पटना

बिहार में मौसम एक बार फिर करवट लेने वाला है। भारतीय मौसम विभाग ने राज्य के कई हिस्सों में अगले चार दिनों तक आंधी और बारिश को लेकर चेतावनी जारी की है। विभाग के अनुसार 6 अप्रैल से 8 अप्रैल के बीच पूरे राज्य में मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल सकता है। इस दौरान तेज हवा, गरज-चमक के साथ बारिश और तापमान में गिरावट की संभावना जताई गई है।एरविवार को राज्य के औरंगाबाद, बांका, भभुआ, गयाजी, जमुई, नवादा और रोहतास जिलों में एक-दो स्थानों पर हल्की बारिश होने के आसार हैं। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि इन इलाकों में बादलों की आवाजाही बनी रहेगी और कहीं-कहीं गरज के साथ बूंदाबांदी भी हो सकती है। वहीं, 6 से 8 अप्रैल तक बिहार के अधिकतर हिस्सों में आंधी-बारिश का असर देखने को मिल सकता है। मौसम विभाग के अनुमान के अनुसार इस बदलाव के चलते तापमान में भी गिरावट दर्ज की जाएगी। न्यूनतम तापमान में लगभग 2 से 3 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक की कमी आने की संभावना है। इससे लोगों को पिछले कुछ दिनों से पड़ रही गर्मी और उमस से राहत मिल सकती है। शनिवार को भी बिहार के अधिकांश शहरों में मौसम में बदलाव देखा गया। कई जगहों पर तापमान में गिरावट दर्ज की गई। प्रदेश का अधिकतम तापमान 34.3 से 38.4 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा, जबकि न्यूनतम तापमान 18.2 से 25.5 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। गयाजी में स्थिति काफी तेज रही, जहां 62 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं, जिससे सामान्य जनजीवन पर भी असर पड़ा। राजधानी पटना की बात करें तो रविवार को यहां आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने मंगलवार को पटना के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं और आंधी-बारिश की स्थिति बन सकती है। शनिवार को पटना में अधिकतम तापमान में 1.6 डिग्री और न्यूनतम तापमान में 0.2 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई।